RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 अंक : 203 29 जून, 2022 मूल्य : 30/-प्रति

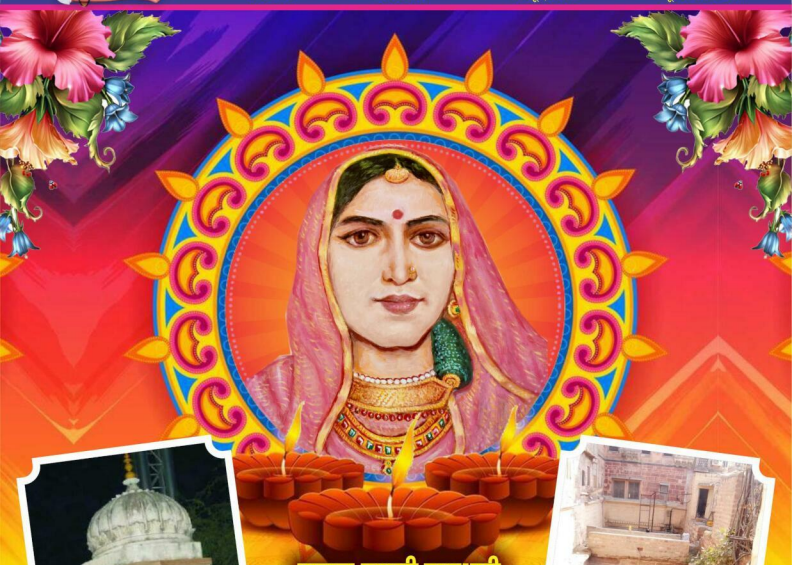

महान त्यागी जसधारी

धाय माँ गोरां धाय

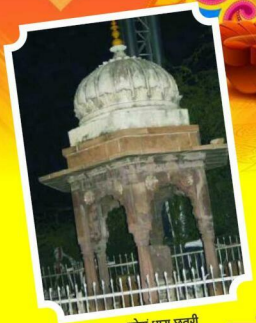

गोरां धाय छतरी

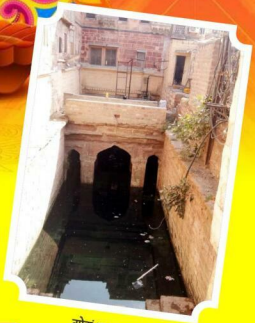

गोरां धाय बावड़ी

आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में समाज के महापड़ाव एवं विभिन्न जिलों में समाज की संस्थाओं द्वारा दिए गए ज्ञापन की झलकियां

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 16 ● अंक 203 ● 29 जून, 2022 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(ह्रदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार
(MD, Teren Power PVt. Ltd.)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह
(पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरूषोत्तम सोलंकी
(समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान् नरेन्द्रसिंह गहलोत
(समाजसेवी भामाशाह, जोधपुर)

संपादक की कलम से...

चरण स्पर्श का महत्व

जीवन में सबसे अधिक महत्व मस्तिष्क का है। फिर हमारे देश में मस्तिष्क की बजाय पांवों को प्रणाम क्यों किया जाता है? पांवों को छूना मात्र कोई रूढ़ी परम्परा है या इसके पीछे कोई विज्ञान है?

मस्तिष्क ही नहीं हमारे शरीर का हर अंग मूल्यवान है। सिर से लेकर पांव तक कोई भी अंग ऐसा नहीं है जिसे हम निरर्थक या निर्मल्य साबित कर सके। आँख, नाक कान, गला या हाथ, छाती, पेट, जंघा सभी अपने- अपने स्थान पर मूल्यवान है। हर व्यक्ति शरीर में तनी संपदाओं को संजोए हुए है कि ऐसा लगता है कि जैसे भगवान सबको अकूत खजाना देकर ही पैदा करते सवाल है 'पांव' का वैसा ही मूल्य है जैसे किसी पर्वत के लिए तलहटी का। पांव तो जीवन के लिए मकान की नींव है। गीता में श्री कृष्ण धरती पर हर प्राणी को कर्मयोगी बनने की प्रेरणा देते है। स्वाभाविक है कि व्यक्ति दो ही चीजों से कर्मयोग कर सकता है और वे है 'हाथ' और 'पांव'। आप जरा ऐसे आदमी की कल्पना करें जिसके हाथ व पांव न हो। वह न आदमी कहलायेगा न ही जानवर। पांव होने के कारण ही तो कोई दो पाया या चार पाया।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्वति में पांवों को इतना अधिक महत्व दिया जाता है कि उसने जीवन की अधिकांश बीमारियों की पांव की पगथलियों द्वारा दूरस्त करने की कला ढूंढ़ निकाली है। आप ताज्जूब करेंगे इस बात को जानकर कि पांव की पगथलियों में केवल पांव ही नहीं है, आंख, नाक, सिर, हृदय, पेट यानी सब कुछ है जो कि पांव से ऊपर है। जैसे सिर से शरीर का हर संबध जुड़ा हुआ है, ठीक ऐसे ही पांव से भी शरीर का संपूर्ण कनेक्शन है। शरीर के जे रोग सिर से ठीक नहीं हो सके, पांवों से वे ठीक हो जाते है। एक्यूप्रेशर यानि पांव के निर्धारित स्थानों पर अंगूठे से दबाव डालना।

कोई व्यक्ति यदि सुबह नगे पांव पन्द्र मिनट तक मिट्टी पर या घास पर चहल कदमी कर ले तो मानो सहज ही उसके संपूर्ण शरीर का एक्यूप्रेशर हो गया। हमारी भारतीय संस्कृति में पांवों को छूने के पीछे एक बहुत बड़ा मनौवैज्ञानिक और आध्यात्मिक आधार रहा है। पांव छूना आदर, शिष्टाचार और विनम्रता का सूचक है, पांव छूना या अपने सिर को पांव में नमाना व्यक्ति के अंहकार को तोड़ने का सबसे सरलतम मंत्र है। जब हम चांग या साष्टांग प्रणाम करते है तो यह एक अच्छा योगासान भी हो जाता है। वहां अंहकार का झुकाना भी है और बड़ों का आशीर्वाद लेना भी है।

जब हम किसी के पांव में झुकते है तो उनका प्रेमपूरित हाथ हमारे सिर और कमर पर आता है। इससे बड़ों का आभा मण्डल भी हमारे सिर पर पहुंचता है जो हमें प्रभावित करता है। आजकल चिकित्सा की एक और प्रणाली भी चल रही है जिसको हम 'रैकी' कहते है। रैकी और कुछ नहीं बल्कि स्वयं की अथवा अस्तित्व की ऊर्जा को अपने हाथों से किसी अन्य में प्रवाहित करना है।

यही है रैकी का राज। निश्चय ही चरण स्पर्श करना जीवन का सरल और सौम्य बनाने का तरीका है। आप चाहे तो आजमा कर देखें, आपको फायदा ही होगा। जैसा आप करेंगे, आने वाली पीढ़िया भी आपका अनुसरण करेगी। आखिर व्यक्ति को चल जाता है उसके पदचिन्ह ही शेष रहते है। नई पीढ़ी के लिए आदर्श प्रेरणा के लिए

'चरण शरणम' अर्थात चरणों की शरण का ही आखिर मूल्य है।

मनीष गहलोत
संपादक

माली सैनी समाज का राष्ट्रीय महा जनगणना मोबाइल ऐप डॉउनलोड कर अपने परिवार की जानकारी अवश्य जोड़े।

https://play.google.com/store/apps/details?id=app.blood.maliSamaj

माली सैनी समाज

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

साढ़े 4 साल में 3 बार सीएम और 74 विधायकों से मिले, 100 से ज्यादा अफसरों को कई ज्ञापन

आरक्षण नहीं देने पर समाज के लोगों का महापड़ाव
5 दिन बाद सरकार से बनी सहमति

समाज के सभी वर्गों ने संगठित हो गाड़े तंबू, समाज के बढ़ते हजूम को देख इंटरनेट सेवा की बंद, समाज की एकता के आगे बड़बोले मंत्री विश्वेन्द्र सिंह को आना पड़ा महापड़ाव स्थल पर पूर्व में मंत्री ने समाज के प्रति की बेदबी जिससे बढ़ा आक्रोश,

भरतपुर। ओबीसी में 12% आरक्षण अलग दिए जाने की मांग को लेकर 5 दिन से आंदोलन कर रहे माली, कुशवाह, शाक्य मौर्य, सैनी समाज के लोगों ने गुरुवार 17 जून को जयपुर-भरतपुर नेशनल हाईवे खाली कर दिया। इससे पहले उन्होंने अपनी मांगों को लेकर पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह को ज्ञापन दिया। मंत्री ने इन्हें भरोसा दिलाया कि आरक्षण की मांग पर चर्चा करने के लिए वे प्रतिनिधि मंडल को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से दिन के अंदर मिलवाने का प्रयास करेंगे। धरना समाप्त करने को लेकर हालांकि बुधवार देर शाम को ही सैद्धांतिक सहमति हो गई थी। गुरुवार सुबह मांगों के संबंध में ज्ञापन देने और धरना समाप्त कराने की औपचारिकताएं पूरी हुई। सुबह करीब 8.30 बजे संभागीय आयुक्त सांबर मल वर्मा और जिला कलेक्टर आलोक रंजन समेत कई अधिकारी आंदोलन स्थल के पास स्थित एक होटल पर पहुंचे। यहां पहले आंदोलनकारियों के 12 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल से मांगों के संबंध में चर्चा हुई। इसमें जिसमें संघर्ष समिति ने धरना समाप्त करने की लिखित घोषणा की। इस पर दोनों पक्षों की ओर से हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद करीब 10 बजे पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह आंदोलन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने समाज के प्रतिनिधियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन लिया और कुछ पदाधिकारियों को ज्यूस पिलाकर धरना समाप्त करवाया। ज्ञापन में जनसंख्या के आधार पर 12% आरक्षण दिए जाने के साथ ही 8 दिन में संघर्ष समिति की मुख्यमंत्री से वार्ता कराने और आंदोलनकारियों पर लगे मुकदमे वापस लिए जाने की मांग की गई है।

इससे पहले पूर्व में घोषित कार्यक्रम के अनुसार 12 जून को भरतपुर से सैनी समाज ने आरक्षण आंदोलन की शुरुआत की है।12 फीसदी आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर राजस्थान फुले आरक्षण संघर्ष समिति के बैनर तले रविवार को कुशवाहा, शाक्य, मौर्य, सैनी, माली समाज के लोगों ने आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 को गांव अरौदा के समीप जाम कर महापड़ाव डाल दिया। पुलिस ने रूट डायवर्ट करके वाहनों को निकाला। प्रदेश के कई इलाके से सूर्यवंशी कुशवाहा (काछी) शाक्य, मौर्य, सैनी, माली आदि समाज के लोग चक्का जाम में शामिल हुए। चक्का जाम के दौरान लोगों के हाथों में लाठी डंडे दिखाई दिए। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में 12 प्रतिशत माली हैं, इस हिसाब से 12 प्रतिशत आरक्षण चाहिए। यह ऐलान किया गया कि हम किसी प्रशासनिक अधिकारी से बात नहीं करेंगे। सरकार बात करने के लिए अपना प्रतिनिधि भेजे। लेकिन शाम 5 बजे तक जब सरकार की ओर से वार्ता की कोई पहल नहीं हुई तो हाइवे 21 पर जाम लगा दिया।

1 किमी के दायरे में आंदोलनकारियों ने हाईवे पर ही तंबू लगा दिए है। युवा सड़को पर लाठी डंडे लेकर जयकारे लगा रहे थे। आरक्षण संघर्ष समिति के सह संयोजक वासुदेव कुशवाहा ने कहा कि आंदोलन 6 साल से चल रहा है, सरकारों ने ध्यान नहीं दिया इसलिए हमें सड़को को जाम करने पर मजबूर होना पड़ा।

समिति के संयोजक मुरालीलाल सैनी ने बातया कि हमारे समाज को सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। जिस अनुपात में हमारी आबादी है उस अनुपात में आरक्षण नहीं है। हमारी मांग है कि राज्य सरकार सर्वे करा आबादी के अनुपात में जितना आरक्षण बनता है उतना अलग जारी करें। हमें अब तुरंत राहत चाहिए। केन्द्र से वर्गीकरण पर बाद में बात करेंगे। पहले राज्य सरकार का रूख हम देखना चाहते है। मुरारी लाल सैनी ने दावा किया की हमारी जनसंख्या पूरे प्रदेश में लगभग 12 से 15 प्रतिशत है हमें इसी अनुपात में आरक्षण मिले।

इस आंदोलन के लिए फरवरी से ही शुरू हो गई थी गांव-गांव में बैठकें दरअसल, इस साल फरवरी से ही आरक्षण आंदोलन की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। भरतपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, धौलपुर जिले के वे गांव जहां सैनी समाज की संख्या अधिक है, वहां व्यक्तिगत संपर्क कर सूची बनाई गई थी, साथ ही समाज के लोगों को जून माह में प्रस्तावित आरक्षण आंदोलन में शामिल होने के लिए कहा गया था। सैनी समाज की महापंचायत में हजारों लोग एकत्रित हुए थे।

संयोजक मुरारी लाल सैनी ने कहा कि 6 साल से मांग कर रहे, सरकार नहीं सुन रही 33 जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिए, तहसील स्तर पर एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। 4 हजार 5 सौ गांव में नुक्कड़ सभाएं की गई लेकिन जब उनकी मांग किसी ने नहीं सुनी तो उन्होंने आज महापंचायत का आयोजन किया। जिसके बाद नेशनल हाईवे जाम कर दिया। सरकार उनकी मांग नहीं मानती को वह ऐसे ही नेशनल हाईवे को जाम करके रखेंगे।

डहरा मोड के पास अरोदा पर माली-सैनी समेत सूर्यवंशी, कुशवाहा और मौर्य आदि समाजों के लोग 2 किलोमीटर के दायरे में जाम लगाकर बैठ गए। और सड़क पर ही हो तंबू गाड़ दिए थ। पुलिस और प्रशासन ड्रोन कैमरे से निगरानी कर रहा है ताकि अफवाहों के कारण माहौल नहीं बिगड़े। आसपास के इलाके में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई थी।

आंदोलनकारियों के मुताबिक वे अपनी मांगों को लेकर पिछले साढ़े 4साल से आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान वे 3 बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और 74 विधायकों से मिल चुके हैं। 33 कलेक्टरों व 62 उपखंड अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए हैं। लेकिन, जब हाइवे जाम किया तो सरकार अब बोल रही है कि बैठकर बात कर लो। इसके लिए भी सरकार के नुमाइंदे आंदोलन स्थल पर आने को तैयार नहीं है। आंदोलनकारियों ने मांग है की थी कि खुद मुख्यमंत्री हाइवे पर आकर उन्हें मांगें मानने का भरोसा दिलाएं।

सरकार ने सोमवार को ही आंदोलनकारियों से वार्ता करने के लिए पर्यटन मंत्री विश्वेंद्रसिंह और पीडब्लूडी मंत्री भजनलाल जाटव को अधिकृत किया। दोनों मंत्री सोमवार को संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा के साथ सर्किट हाउस में आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि मंडल का इंतजार करते रहे। लेकिन, देर शाम तक कोई भी बातचीत के लिए नहीं पहुंचा। इस बीच पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने आंदोलनकारियों से अपील की कि वे हाइवे खोल दें ताकि लोगों को परेशानी ना हो।

लेकिन आंदोलनकारियों ने रेलवे ट्रैक भी जाम करने की चेतावनी दे दी थी। संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मुरारीलाल सैनी ने बताया कि सीएम अथवा सरकार के नुमाइंदों को बातचीत के लिए आंदोलन स्थल पर ही आना चाहिए। आरक्षण आंदोलन के लिए माली-सैनी समाज के लोगों ने गुर्जरों वाली रणनीति को ही अपनाया है। करीब 180 किलोमीटर लंबे हाइवे पर अरोंदा को आंदोलन स्थल के रूप में इसलिए चुना क्योंकि आसपास बल्लभगढ़, मीठे का नगला (गोविंदपुरा), गंधार, अरोदा, ललिता मुडिया, बेरी, हलेना, सरसेना, मुखेना, बाई, चक धसोनी में माली-सैनी समाज की जनसंख्या अच्छी खासी है। यहां से आंदोलनकारियों के लिए रसद मिलना आसान हुआ। आंदोलन के लिए 4800 गांवों में सभाएं करने के साथ ही तहसील स्तर पर 62 बड़ी बैठकें करके लोगों को आंदोलन के लिए मानसिक रूप से तैयार किया है। एनएच पर होने के कारण धौलपुर समेत राज्य के अन्य इलाकों तक पहुंच आसान था।

सैनी समाज की महापंचायत आयोजित, 12% आरक्षण की मांग को लेकर लामबंद हुए लोग

शेखावाटी के हर क्षेत्र गांव ढाणी तहसील से पहुंचा माली समाज के लोगों का रैला

वक्ताओं ने कहा आरक्षण लेकर रहेंगे हम हमारा हक मांगते नहीं किसी से भीख मांगते

हम राष्ट्रपिता महात्मा ज्योति राव फूले के समाज से हैं जिन्होंने 175 साल पहले बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दे दिया था, जिसका अनुसरण आज पूरे भारत के लोग करते है।

सीकर, 20 जून। अपने समाज के लिए 12: आरक्षण की मांग को लेकर सैनी समाज की महापंचायत सीकर के रामलीला मैदान में आयोजित की गई। महापंचायत में शेखावाटी सहित अन्य क्षेत्रों के गांव कस्बा ढाणियों और नगरों के लोग पहुंचे। हजारों की संख्या में पहुंचे हुए हैं लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में सैनी समाज की जनसंख्या 12 प्रतिशत के करीब है और ओबीसी आरक्षण जनसंख्या के अनुपात में बहुत कम है इसलिए समाज हक मारा जा रहा है। कार्यक्रम में शेखावाटी सैनी समाज सहित प्रदेश की राजधानी और नागौर, करौली, धौलपुर, चाकसू, शाहपुरा आदि जगह से भी समाज के गणमान्य जन पहुंचे।

इस मौके पर फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सैनी ने कहा मांगों को लेकर समाज एक जुट होकर संघर्ष करेगा। इसके लिए उन्होंने मंच से हाथ उठाकर एजुकटता का संकल्प कराया। कहा यदि सरकार ने 11 सूत्री मांग नहीं तो सैनी समाज के युवा अपने हक के लिए सड़कों पर उतर कर संघर्ष करेगा। उन्होंने प्रदेशभर में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। कहा यदि सरकार ने मांगे नहीं मानी तो 15 सितंबर को जयपुर कूच किया जाएगा। झुंझुनूं से सैनी समाज के लिए सड़कों पर उतर कर संघर्ष करेगा। उन्होंने प्रदेशभर में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। कहा यदि सरकार ने मांगे नहीं मानी तो 15 सितंबर को जयपुर कूच किया जाएगा।

कार्यक्रम का प्रारंभ जिलाध्यक्ष भंवर लाल सैनी, प्रेमप्रकाश सैनी, गंगाबक्श सैनी द्वारा महाराजा शूरसेन, सन्त लिखमीदासजी और फुले दंपति के चित्रो के सामने दीप प्रज्वलित करके किया। समारोह को पूर्व भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सैनी भादरा, बीकानेर से गोपाल गहलोत, झुंझुनू उप जिला प्रमुख बनवारी लाल सैनी, फुले ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश सैनी, मुकुंदगढ़ के पूर्व चेयरमैन सत्यनारायण सैनी, नवलगढ़ के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र सैनी, युवा भाजपा नेता और फुले ब्रिगेड के प्रदेश उपाध्यक्ष एड. रतनलाल सैनी, सीकर जिला प्रमुख पुष्कर सिंगोदिया, गोविंदराम सैनी, विष्णु सिंगोदिया, युवा भामाशाह और उद्योगपति कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष गोविंद सैनी, शिवसेना जिला प्रमुख राजेश सैनी, झुंझुनू सैनी समाज जिला अध्यक्ष राजेश सैनी, उदयपुरवाटी चेयरमैन रामनिवास सैनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सैनी फतेहपुर,अंजू सैनी गंगानगर, मीना सैनी कांवट, नीलम सैनी, चिरंजीलाल आभावस, ओंकार मल रानीली राजकुमार सैनी रेवासा, दिशा लाल सैनी हर्ष, महावीर सरपंच शिवसिंहपुरा, रामप्रसाद,अजीत सैनी मंडावा, कमल सैनी डाबला, रतन किशोर सैनी बघोली, रामदेव सैनी, प्रभु दयाल सैनी पूर्व पार्षद, सुंदर लाल सैनी नीमकाथाना, राजेंद्र सैनी सरपंच बागोरिया की ढाणी, किशोर टाक जयपुर, शेखावाटी सैनी समाज के अध्यक्ष रामप्रसाद कारोडिया सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

झुंझुनूं से सैनी समाज के नेता बनवारी लाल बगड़ ने कहा आरक्षण नौकरी में ही नहीं राजनीति में भी लेकर रहेंगे। यदि राजनीतिक पार्टी भी समाज को प्रतिनिधित्व का हक नहीं देती है तो नया विकल्प भी तलाश किया जाएगा। सभा को सैनी समाज भरतपुर आंदोलन के संयोजक पप्पु प्रधान ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा सरकार ने हर बिरादरी को मंच दिया है यहाओं को छात्रावास जैसी सुविधाएं मिल रही है। सैनी समाज को क्यों नहीं।

अध्यक्षीय उद्बोधन सैनी समाज संस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल गार्ड ने दिया। वक्ताओं ने कहा कि आरक्षण व्यवस्था सही नहीं होने के कारण माली समाज को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है और यह हमारा हक है कि जनसंख्या के अनुपात में हमें आरक्षण मिलना चाहिए। मजदूर किसान और दलित वर्ग वाले समाज पर अत्याचार करने वालो पर तुरंत कार्यवाही करने का एक्ट लाने की सरकार से मांग करते

हैं। महासभा में समाज को अलग से 12 परसेंट आरक्षण के अलावा महात्मा फुले कल्याण बोर्ड का गठन करने, महात्मा फुले फाउंडेशन बनाने, राजस्थान प्रदेश में हर जगह सब्जी बेचने वाले लोगों को स्थाई जगह देने, महात्मा फुले बागवानी विकास बोर्ड का गठन करने, महात्मा फुले के नाम से विश्वविद्यालयों में शोध केंद्रों की स्थापना करने, महात्मा फुले की जयंती पर अवकाश घोषित करने, भारतीय सेना में सैनी रेजिमेंट का गठन करने, फुले दंपत्ति को भारत रत्न से नवाजा जाए, फुले दंपति के नाम से संग्रहालयों का निर्माण किया जाए सहित 11 सूत्रीय मांग की गई और शहर के मुख्य मार्गों से हजारों की तादाद में युवा रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

कार्यक्रम को एड. रतन सैनी पुष्कर सिंगोदिया , गोविंदराम सैनी, विष्णु सिंगोदिया, गोविंद सैनी, जयप्रकाश सैनी , राजेश सैनी ,पूर्ण मल लक्ष्मणगढ़, रामनिवास सैनी फतेहपुर, अशोक भादरा, अंजू सैनी गंगानगर, मंजू सैनी नीमकाथाना, मीना सैनी, नीलम सैनी, चिरंजीलाल, औंकार, राजकुमार सैनी, काशीराम हर्ष, सरपंच महावीर, रामप्रसाद, राजेश सैनी झुंझुनू, अजीत सैनी, कमल सैनी, रतन किशोर सैनी, रामदेव सैनी, प्रभु दयाल सैनी, गोपाल गहलोत, रामनिवास सैनी उदयपुरवाटी, सुंदर लाल सैनी नीमकाथाना, सुरेंद्र सैनी नवलगढ़, राजेंद्र सैनी चिराना, किशोर टाक जयपुर, दयाशंकर सैनी सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। पार्षद मेहर सैनी ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की।

ज्ञापन सौंपने वाली टीम में सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष भंवर लाल सैनी, ज्योतिराव फुले शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सैनी मिलन, झुंझुनू के उद्यमी सुंदर लाल सैनी, नीमकाथाना से विधायक प्रत्याशी रही मंजू सैनी, फुले ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश सैनी, पत्रकार राघव पंवार, युवा भाजपा नेता और फुले ब्रिगेड के प्रदेश उपाध्यक्ष रतन लाल सैनी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और मंडी के प्रसिद्ध व्यवसाई समाजसेवी गिरधारी लाल राकसियां, फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक चंद्र प्रकाश सैनी युवा व्यवसाई आनंद टांक, युवा कांग्रेसी नेता और पार्षद सुरेश कुमार सैनी, सत्यभामा सैनी आदि मौजूद थे।

सुबह 10.00 बजे से शुरू हुई महापंचायत में रामलीला मैदान की क्षमता से अधिक लोग होने के कारण सीकर शहर में जाम की स्थिति बन गई गाडियों के पार्किंग लगाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। महापंचायत के कारण सीकर शहर और आसपास के कस्बों के सैनी समाज के सभी प्रतिष्ठान बंद रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन पत्रकार राघव पंवार और बगड़ के गांधी के नाम से प्रसिद्ध शिक्षाविद महेंद्र शास्त्री, ओम प्रकाश सैनी ने किया।

पाकिस्तान की जेल तोड़कर भारत वापस आए हापुड़ के वीर सपूत लटूर सिंह सैनी ने मेरठ के अस्पताल में ली अंतिम सांस

हापुड़। जनपद हापुड़ के मिर्जापुर (सरावा) निवासी लटूर सिंह सैनी ने 18 जून को मेरठ के एक अस्पताल में अंतिम साँस ली लटूरी सिंह सैनी द्वारा 1965 पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान की जेल तोड़कर वापस भारत आए थे सूबेदार लटूर सिंह सैनी जब एक रात लड़ाई लड़ते हुए पाकिस्तान की सीमाओं में पहुंच गए तो वहां पर पाकिस्तानी सैनिकों ने उन्हें बंधक बना लिया लेकिन उनके होसली को बंधक नहीं बना सके। जब उन्होंने जेल में देखा कि पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सैनिकों को बहुत अधिक प्रताड़ना दी जा रही है तो उन्होंने जेल तोड़कर भागने का निर्णय लिया इसमें उन्होंने दो साथियों का सहयोग लिया। सूबेदार लटूर सिंह व दो साथियों ने एक योजना बनाई और योजना बनाकर रात के अंधेरे में पाकिस्तान की जेल को तोड़कर वापस भारत लौट आए। ऐसे वीर सपूत को भारत सरकार द्वारा मेडल देकर सम्मानित भी किया गया था। आज ऐसा वीर सपूत हम सब को पीछे छोड़ते हुए ईश्वर के श्री चरणों में विलीन हो सूबेदार लटूर सिंह सैनी अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी व अपने पुत्र व पुत्र आदि को विलखता छोड़ गए। ऐसे वीर सपूत को समस्त देश अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हैं। हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिवार को यह असीम दुःख सहने का संबल प्रदान करें।

ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन 10 जुलाई को दिल्ली में

आम सभा के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा सम्मान समारोह होगा आयोजित

नई दिल्ली। 12 जून, 2022 को ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज द्वारा दिल्ली प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के लोगों की बैठक का आयोजन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी की अध्यक्षता में दिल्ली-फिरोजशाह रोड़ स्थित आवास पर किया गया। जिसमें दिनांक 10 जुलाई 2022 को आयोजित होने वाली आम सभा की बैठक के साथ ही राष्ट्रीय अधिवेशन व सम्मान समारोह कार्यक्रम की रूपरेखा व तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार सैनी ने बैठक के अन्तर्गत सभी को सम्बोधित करते हुए बताया कि- समारोह को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी तैयारियां शुरू कर दी गई है। जिसमें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार मे उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, महाराष्ट्र सरकार में पूर्व उप-मुख्यमंत्री व वर्तमान में कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल के अलावा अति-विशिष्ट, अतिथि/विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री-जसवंत सैनी, हरियाणा से सासंद नायब सिंह सैनी, बिहार से सासंद संतोष कुशवाहा, राजस्थान से राज्यसभा सासंद राजेन्द्र गहलोत इत्यादि के उपस्थित होने की स्वीकोरक्ति प्राप्त होने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर के अनेका नेताओं जैसे-पूर्व केन्द्रिय मंत्री-उपेन्द्र कुशवाहा, पूर्व मंत्री-स्वामी प्रसाद मौर्य, पूर्व सांसद राजकुमार सैनी, पूर्व मंत्री धर्मसिंह सैनी इत्यादि के अलावा विधायकों विधान परिषद सदस्यों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, समाजसेवा, खेल इत्यादि क्षेत्र में नाम रोशन करने वाली समाज की प्रतिभाओं के अलावा सामाजिक सस्थाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीपाल सैनी ने दिल्ली क्षेत्र से उपस्थित समाज के लोगों को पूरजोर तरीके से सहयोग व ज्यादा से ज्यादा लोगों को समारोह में लाने का आव्हान किया। राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष प्रदीप सैनी ने बताया कि समारोह को लेकर युवाओं में काफी जोश है व पांच हजार से अधिक लोगों के जुटने की उम्मीद है। आगामी दिनों में जिला खण्ड स्तर पर नुक्कड़ बैठकों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को पहुचने का आहवान किया जाएगा। इस मौके पर प्रतिबिम्ब नामक पत्रिका का सम्पादन भी किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष-दिलबाग सिंह सैनी ने उपस्थित सभी से कार्यक्रम को सफल बनाने व सहयोग करने की अपील करते हुए अपने-अपने क्षेत्र में पोस्टर व बैनर के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार करने के साथ ही आगामी दिनों में प्रदेश व जिला स्तर पर सौपीं जाने वाली जिम्मेवारियों को पूरा करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान नरेन्द्र सैनी (शहबाद मोहम्मदपुर) को कार्यक्रम में खाने की व्यवस्था की डयूटी सौपी गई। बैठक के दौरान-दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष खेमचन्द सैनी, महिला प्रदेश अध्यक्ष इन्द्रा सैनी व युवा प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र सैनी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को हरसंभव सहयोग के साथ ही ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को लाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर खिडकी क्षेत्र से संगठन के संरक्षक जयभगवान सैनी, पूर्वी दिल्ली से संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-ग्यारसीलाल सैनी, बसीलाल सैनी, बबीता सैनी, उपाध्यक्ष ताराचंद सैनी, नरेला से महेश सैनी, राकेश सैनी, जोन्ती से साहब सिंह सैनी, मुडका से वरूण सैनी, पालम से पूर्व निगम प्रत्यासी अजू सैनी, आदर्श नगर से डॉ ईश्वर सिंह सैनी, कादीपुर कुशक से एडवोकेट विपिन सैनी, नागलाई से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आजाद सिंह सैनी, त्रिनगर रामपुर से विजेन्द्र सैनी, ईस्ट ऑफ कैलाश से संजय ज्ञान, शाहबाद मोहम्मदपुर से नरेन्द्र सैनी, कुशवाहा समाज के राष्ट्रीय महासचिव शिवशरण कुशवाहा, हरदयाल कुशवाहा, गौतमनगर से सीमा सैनी, डाबड़ी से सपना सैनी, सीलमपुर से युवा इकाई के महासचिव दीपक सैनी, कन्हैया नगर से सैनी पचांयत के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सुशील सैनी, प्रदीप सैनी, सिंकदराबाद से ध्रुव सैनी, पाली सैनी, राकेश सैनी, खिड़की से राष्ट्रीय सचिव अमित सैनी, पहाड़गंज से युवा इकाई के उपाध्यक्ष हरिंश सैनी इत्यादि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

समारोह को लेकर विभिन्न कमिटियों के गठन के साथ ही समाज के प्रबुद्धजनों को जिम्मेदारियां भी दी गई है। यह आयोजन समाज राजनीति सामाजिक भविष्य के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष स्व. भभूताराम सोलंकी की प्रथम पुण्यतिथि पर

रक्तदान शिविर में 121 यूनिट रक्तदान, रक्तदाताओं को हेलमेट भेंट

जालोर। हर के गल्स कॉलेज के सामने विजय पैराडाइज में मंगलवार को पूर्व बीसूका उपाध्यक्ष व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष स्व. भभूतराम सोलंकी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

राव जागृति संस्थान के सचिव अनिल गहलोत ने बताया कि रक्तदान शिविर में 121 रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं सड़क सुरक्षा के तहत हेलमेट प्रदान किया गया। श्रद्धांजलि सभा में भाद्राजून मठ महामंडलेश्वर संतोष भारती ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि कार्यक्रम की शुभारंभ किया।

बड़ी संख्या में उमड़े लोग: श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिले व प्रदेश के कई लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर स्व.भभूतराम सोलंकी के जीवन के संघर्षों के बारे में बताया एवं परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने बताया कि सोलंकी का जाना मेरे लिए व्यक्तिगत आघात है। अध्यक्ष जन अभाव अभियोग निराकरण समिति राजस्थान पुखराज पाराशर ने कहा सोलंकी का सामाजिक जीवन में जालोर शहर के लिए अभूतपूर्व योगदान रहा। मुझे कभी महसूस ही नहीं हुआ कि सोलंकी मेरे विपक्षी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हुए हैं। जिला कलेक्टर निशांत जैन ने बताया कि समाजसेवी सोलंकी की पुण्यतिथि पर संस्थान द्वारा आयोजित किया गया रक्तदान शिविर मानवता के लिए एक मिसाल है। विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सोलंकी का जाना पार्टी एवं पूरे जिले के लिए अपूरणीय क्षति है। इनके अलावा आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, विक्रम सिंह रणावत, घनश्याम डागा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव, पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र सिंह बालावत, जिला प्रमुख राजेश राणा, नगर परिषद सभापति गोविंद टाक, पीएमओ जालोर डॉ एस पी शर्मा, जालोर विकास अधिकारी सांवलाराम चौधरी, रानी विकास अधिकारी आवड़दान चारण, रोहट विकास अधिकारी गौरव विश्नोई, पूर्व तहसीलदार बद्रीदान चारण, मंगलसिंह सिराणा, केएन भाटी, जितेंद्र जालोरी, नाथु सोलंकी, सुनील तिवारी, मोहन सांखला, नितिन सोलंकी, मधुसूदन व्यास, परमानंद भट्ट, एडवोकेट बाबूलाल मेघवाल, अनिल शर्मा, मोहन पारासर, समदड़ी सरपंच संघ अध्यक्ष खेतसिंह बाली, सरपंच संघ अध्यक्ष जगदीश चौधरी, माली समाज सेवा संस्थान अध्यक्ष सावलाराम सांखला, माली समाज महासमिति प्रेमाराम सुंदेशा, मुकेश सोलंकी, पन्नालाल सोलंकी, चेताराम सियाणा, हर्षद देवड़ा, मंजू मेघवाल, राजू सांखला, उपा गहलोत, सोहनसिंह भायल, सुरेश सोलंकी, दिनेश महावर, लक्ष्मण सांखला, महेश भट्ट भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गजेंद्र सिंह सिसोदिया, शंकर भादरू एवं जालौर पाली एवं बाड़मेर के जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा के अंत में राष्ट्रीय जागृति संस्था के अध्यक्ष रवि सोलंकी एवं सोलंकी के पुत्र बाली विकास अधिकारी अतुल सोलंकी ने सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सा विभागीय टीम कमलेंद्र सिंह मंडलावत, चंपालाल, इमरान बैग, जावेद खान, रतन सिंह, जगदीश विश्नोई व अन्य को आभार पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए रमेश सोलंकी, अशोक गुर्जर, शांतिलाल, तेजाराम माली, महिपाल सिंह, सुरेश, हरीश एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा कार्यालय में स्व सोलंकी को दी श्रद्धांजलि: स्वर्गीय भभूताराम सोलंकी के प्रथम पुण्यतिथि पर भाजपा जिला कार्यालय में नगर मंडल जालोर द्वारा भी पुण्यांजलि सभा का आयोजन किया गया। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि स्व. सोलंकी महान व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने जीवन को आमजन की समस्याओं के समाधान में लगा दिया। जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव ने कहा कि भभूतराम सोलंकी के मार्गदर्शन में पार्टी को मजबूती प्रदान हुई है। उन्हें अपने जीवन काल में छोटे से छोटे कार्यकर्ता को सम्मान दिया है वे हमेशा सबको साथ लेकर चलते थे। उनका जीवन संघर्षशील रहा।

भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष पूर्व बीसूका उपाध्यक्ष विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा की उन्होंने अपने जीवन काल में भाजपा सहित कई सामाजिक संगठनों में अपनी सक्रियता के साथ कार्य किए हैं। राष्ट्र हित के हर मुद्दों पर वे हमेशा आगे रहे हैं। इस अवसर पर विधायक जोगेश्वर गर्ग, घनश्याम डागा, नगर अध्यक्ष ऐडवोकेट सुरेश सोलंकी एडवोकेट बाबूलाल सोलंकी, भूरसिंह ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दिलीप सोलंकी , चतराराम गहलोत सहित कई कार्यकर्ताओं के साथ सर्व समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भीनमाल निवासी प्रतिष्ठित KDM मोबाईल एसेसरिज के निर्माता

युवा इंटरप्योनर नीलेश माली भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित

राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल के छोटे से गांव के निवासी और आधुनिक जीवन शैली जीने के लिए महत्वपूर्ण मोबाइल एक्सेसरीज की एक विश्वसनीय ब्रांड केडीएम के संस्थापक तथा प्रगतिशील युवा उद्योगपति नीलेश माली को प्रतिष्ठित 'भारत गौरव पुरस्कार' से केरल के महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा सम्मानित किया गया। भारत गौरव अवार्ड फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह पुरस्कार समारोह 3 जून, 2022 को नई दिल्ली में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और संसद सदस्य एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

यह अवार्ड जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली का सम्मान करता है, जो अपने प्रभावशाली नेतृत्व के कारण अन्य लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत नए भारत के निर्माण के लिए मोबाइल एसेसरीज के क्षेत्र में भारतीय उत्पादनों को बढ़ावा देने हेतु उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें इस अवार्ड से नवाजा गया। यह 'भारत गौरव पुरस्कार' अनसंग हीरोज और उद्यमियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने भारत सरकार की मेक इन इंडिया थीम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो। नीलेश माली ने यह पुरस्कार नए भारत के युवा और उभरते उद्योगपतियों को समर्पित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, केडीएम के संस्थापक नीलेश माली ने कहा कि, 'राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित मंच पर सम्मानित किया जाना अपने आप में एक बड़ा सम्मान है। सही मायने में तब अच्छा लगता है जब आपके विचारों को और उद्देश्यों को मान्यता मिलती है, मैं राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर दृढ़ विश्वास रखता हूं। एक उद्योजक के रूप में, मैं यह मानता हूं कि देश की आर्थिक और सामाजिक उन्नति के लिए सकारात्मक रूप से मैं निरंतर योगदान करता रहूं। जिससे आने वाले दशकों में यंग जेनरेशन को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकूँ और नया भारत के संकल्प को और सशक्त और सुदृढ़ देख सकूँ। माननीय प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन ने मेरे जैसे उद्यमियों में नया विश्वास पैदा किया है।

आज भारत देश अपने घरेलू निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए आत्मनिर्भर बनने की राह पर है। मेक इन इंडिया की पहल के अंतर्गत, केंद्र सरकार अपनी विविध योजनाओं के माध्यम से इंसेंटिव्स आदि प्रदान करके स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रही है। केंद्र सरकार के सहयोग से ही इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। केडीएम उत्पादनों का रिसर्च और डेवलपमेंट मुंबई में होता है, तथा कंपनी के उत्पादनों का निर्माण दिल्ली, नोएडा, गुजरात, और अन्य भारतीय प्रांतों में होता है। केडीएम अपनी अत्याधुनिक मैनुफैक्चरिंग यूनिट में गुणवत्ता से समझौता किए बिना किफायती दरों पर मोबाइल एसेसरीज का निर्माण करती है और इसी कारण केडीएम के सभी प्रोडक्ट पूरी तरह से विश्वसनीय और टिकाऊ हैं। देश के छोटे बड़े गांवों और शहरों में रहने वाले लोगों को सही कीमत का सही मूल्य मिले इस हेतु से केडीएम द्वारा श्रेष्ठ क्वालिटी के मोबाइल एक्सेसरीज बनाए जाते हैं। शहर घर केडीएम के सूत्र को ध्यान में रखते हुए सन 2025 तक केडीएम कंपनी को देश के हर शहर और दूरदराज के इलाकों में एक विश्वसनीय नाम होने की उम्मीद है और 1 लाख से अधिक डीलर नेटवर्क तक पहुंचने का लक्ष्य है। 'करो दिल की मर्जी' यह लाइफस्टाइल स्टेटमेंट केडीएम ब्रांड का स्लोगन है। हर एक इंसान अपने जीवन को पूरी तरह से जीने की ख्वाहिश रखता है लेकिन जिम्मेदारियों के कारण अपनी इच्छाओं को हमेशा अपने दिल में ही रखता है। केडीएम अपने मोबाइल एक्सेसरीज से लोगों को अपनी मर्जी पूरी करके आनंदित होकर जीने के लिए प्रेरित करता है।

केडीएम कंपनी मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स और एक्सेसरीज उत्पादों की अग्रणी निर्माता है। मेक इन इंडिया – मेक फॉर वर्ल्ड ब्रांड बनने की दीर्घ दृष्टि के साथ, कंपनी किफायती कीमतों पर प्रीमियम मोबाइल एक्सेसरीज जैसे इयरफोन, नेकबैंड, वायरलेस स्पीकर, मोबाइल चार्जर, पावर बैंक इत्यादि प्रदान करती है। केडीएम के दिल्ली, नोयडा और गुजरात में अत्याधुनिक मैनुफैक्चरिंग यूनिट है और मुंबई में मुख्यालय है। राजस्थान के एक छोटे से गांव से आने वाले, केडीएम के चेयरमेन और डायरेक्टर नीलेश माली ने सन 2011 में व्यापार की एक छोटी सी शुरुआत की थी और आज एक दशक के भीतर स्वयं को एक सफल उद्योगपति के रूप में स्थापित किया है। केडीएम को इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी अंतर्गत जी बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड्स 2021 में 'राइजिंग ब्रांड ऑफ द डिकेड' अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही पिछले एक दशक में अनुकरणीय और अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए मोस्ट प्रॉफर्ड मोबाइल एक्सेसरीज और गैजेट्स ब्रांड के लिए MOBEXX- 2021 अवार्ड भी प्राप्त हुआ है। केडीएम अपनी 10वीं वर्षगांठ मना रहा है। श्री नीलेश माली ने इस अवसर पर कहा कि हम न केवल 10 वर्ष मना रहे हैं बल्कि अगले 100 वर्षों की वृद्धि का भी जश्न मना रहे हैं जिसे हम 2031 तक उपलब्धि करेंगे। इस प्रकार, हम कहते हैं 'जश्न 10 साल का नींव 100 साल की' उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि समस्त सुपर स्टॉकिस्ट, डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर्स, रिटेलर्स, उपभोक्ता तथा समग्र केडीएम परिवार सभी केडीएम की सफलता के भागीदार हैं।

हमें समाज के युवा इंटरप्योनियर निलेश माली की सफलता पर गर्व है तथा आप समाज के युवाओं के लिए एक रोल मॉडल है कि अगर कोई किसी कार्य को करने की ठान ले तो सच्ची लगन और मेहनत से छोटे से गांव से मुंबई महानगर में अपने उत्कृष्ट प्रॉडक्ट के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो सकता है।

मारवाड़ री क्षत्राणी 376 जयंती पर विशेष

जसधारी वीरांगाना गोरां धाय टाक

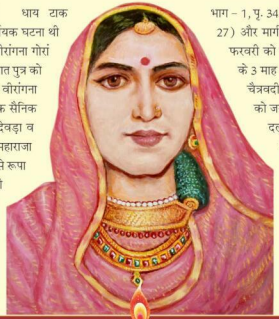

जन्म : 4 जून, 1646 सती : 20 मई, 1704

मारवाड़ के प्रशस्त इतिहास में वीरांगना गोरां धाय टाक का अपूर्व साहस व त्याग का परिचय एक निर्णायक घटना थी अन्यथा मारवाड़ का स्वरूप ही दूसरा होता। वीरांगना गोरां धाय टाक ने अपनी आत्मा के अभिन्न अंश नवजात पुत्र को मारवाड़ की रक्षा के लिये समर्पित कर दिया। वीरांगना गोरां धाय टाक का जन्म 04-06-1646 को एक सैनिक क्षत्रिय टाक परिवार में हुआ। वह माता रूपा देवड़ा व पिता रतना टाक की पुत्री थी। रूपा धाय महाराजा जसवंत सिंह (प्रथम) की धाय थी। उनके नाम से रूपा धाय बावड़ी मेड़ती गेट के अन्दर है जहां आज भी टाक परिवार निवास करते हैं। वीरांगना गोरां धाय का विवाह मण्डोर के भलावत गहलोत परिवार में मनोहर गोपी भलावत गहलोत के साथ हुआ था।

मनोहर जी को राज्य में मेहतर की उपाधि थी जोधपुर नरेश महाराजा अजीत सिंह जी के वि. सं. 1759 की आषाढ़ सुदी 3 के एक खास रूक्के में मण्डोर के धाय भाई मनोहर को मेहतर लिखा है। यहां मेहतर का तात्पर्य महत्त्वपूर्ण काम उच्च राजकीय अधिकारी करने से है। (मारवाड़ राज्य का इतिहास, जगदीश सिंह गहलोत, पृ. 352)

वीरांगना गोरां धाय दृढ़ निश्चय वाली चरित्रवान, राष्ट्रभक्त, स्वाभिमानी, पतिव्रता, अविस्मरणीय त्याग, उज्ज्वल चरित्र, आदर्श जीवन, श्रद्धा भक्ति, तप त्याग और स्वामीभक्त थी। स्वामीभक्त गोरां धाय के इस असीम अविस्मरणीय त्यागमय तपोबल ने मारवाड़ की डूबती गौरवनय्या को बचाया, मुगल सल्तनत के चुंगल से मारवाड़ के स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रतः स्मरणीय गोरां धाय ने अपने एक मात्र पुत्र को न्यौछावर कर दिया।

संवत् 1735 पोष वदि 10 गुरुवार (28 नवम्बर, 1678 ई.) को जोधपुर नरेश महाराजा जसवन्तसिंह जी का स्वर्गवास काबुल के मार्ग में जमरुद के थाने पर हो गया था बादशाह औरंगजेब ने महाराजा जसवन्तसिंह जी के देहान्त का समाचार सुनते ही वि. सं. 1735 फाल्गुन सुदी 13 (ई. स. 1679 की 13 फरवरी) को अपने अधिकारी भेज मारवाड़ खालसा कर दिया था, क्योंकि उस समय मारवाड़ के बड़े-बड़े सरदार बादशाह की आज्ञा लिए बिना ही जमरुद से मारवाड़ की ओर प्रस्थान कर चुके थे। मार्ग में अटक नदी के समीप अमीर खाँ शाही अधिकारी ने इनको आगे बढ़ने से रोका। उसने बादशाह की आज्ञा या काबुल के सूबेदार का परवाना न होने के कारण रोका परन्तु जब राजपूतों ने बलपूर्वक विरोध किया तो उसने 13 फरवरी को अटक नदी पार करने की आज्ञा दे दी (सैहरूल मुताखरीन, भाग - 1, पृ. 343 तथा दुर्गादास राठौड़, जगदीशसिंह गहलोत, पृ. 27) और मार्ग में अटक नदी के अफसरों को हरा लाहौर 15 फरवरी को पहुँच गये। वहीं महाराज जसवन्तसिंह की मृत्यु के 3 माह बाद उनकी रानी जादमजी के गर्भ से अजीतसिंह चैत्रवदी 4 वि.सं. 1735 (19 फरवरी ई. 1679) बुधवार को जन्म लगभग डेढ़ घन्टे के पश्चात् ही नरूकी जी से दलथंभन का जन्म हुआ। जब बालक अजीतसिंह व दलमंभन 10 दिन के हुए तो लोग लाहौर से रवाना होकर नूर महल सराय आ गए। यहां दरबार किया गया महाराजा को बाहर लाया गया और रूक्के नजरानें पेश किये और औरंगजेब को एक अर्जी लिख कर भेजी कि अजीतसिंह को जोधपुर का महाराजा माना जावे। (मारवाड़ राज्य का इतिहास, जगदीशसिंह गहलोत, पृ. 125) मारवाड़ को मुगल साम्राज्य में विलीन कर देने के अपने दीर्घकालीन स्वप्न को मूल रूप प्रदान करने के उद्देश्य से औरंगजेब ने दिल्ली पहुँचने का हुक्म दिया। रानियां सहित राठौड़ दल बादशाह के आदेश से वहाँ से चलकर मय राजकुमार अजीतसिंह दिल्ली की किशनगढ़ हवेली में जाकर ठहरे।

वहां दोनों महारानियां, उनके पुत्र मय जोधपुर दल को उस हवेली में रहते छः सप्ताह बीत गये तब उन्हें संदेह होने लगा कि बादशाह औरंगजेब कुछ चाल चल रहा है। इसी बीच छोटे बालक दलथंभन की मृत्यु हो गयी और इस कारण बालक महाराजा अजीतसिंह को बचाना अनिवार्य हो गया। उन्होंने बादशाह से कुछ राठौड़ सरदारों के मारवाड़ चले जाने की अनुमति मांगी। बादशाह भी चाहता था कि ज्यादा राठौड़ सरदारों का दिल्ली में रहना उचित नहीं है अतः उसने अनुमति दे दी लेकिन शर्त यह रखी कि महारानियें व बाल महाराजा वहीं रहेंगे। बादशाह चाहता था कि अजीतसिंह को शाही हरम में रखकर उनका वहीं पालन-पोषण हो और वयस्क होने पर ही उन्हें उनके योग्य मनसब आदि दी जावें। राठौड़ों के मुखिया दुर्गादास व अन्य सरदारों को तब आशंका हो गयी कि बादशाह राजकुमार को हरम में रखकर पता नहीं कैसा व्यवहार उनके साथ करेगा। (फुतूहात-ए-आलमगिरी, नागर ईश्वरदास, पृ. 75) अतः बादशाह से निवेदन किया कि अभी राजकुमार बहुत छोटे हैं इस कारण उन्हें अपनी माता के पास ही रहने दिया जावे और उन्हें बड़े होने पर बादशाह के समक्ष पेश कर दिया जावेगा। बादशाह इस अवज्ञा पर भड़क उठा और अपने शहर कोतवाल को आदेश दिया कि कुछ सैनिकों को वहां पहरे पर लगा दिया जाये और यह आदेश भी दे दिया गया कि यदि राठौड़ सरदार उनका विरोध करें तो उन्हें दण्डित किया जावे।

बादशाह के आदेशानुसार 16 जुलाई 1679 को फौलाद खाँ ने सैनिकों को लगाकर किशनगढ़ की हवेली को पूरी तरह घेर लिया। राठौड़ दल अपनी योजना को क्रियान्वित करने में लग गया था। राठौड़ दुर्गादास आदि सरदारों ने राजकुमार अजीतसिंह को शाही पहरे से जैसे-तैसे निकालकर मारवाड़ की तरह भेजने का निश्चय किया। राजकुमार की धाय गोरां को भंगिन का स्वांग बनवाकर तथा उसकी टोकरी में अजीतसिंह को सुलवाकर ज्यों-त्यों पहरे के बाहर निकाल लेना तय हुआ । इस निश्चय के अनुसार संवत् 1736 की सावन बदी 1 एकम सोमवार को धाय ने अपने बालक पुत्र को राजकुमार की जगह सुला दिया और राजकुमार अजीतसिंह को एक टोकरी में लेटाकर और उसके ऊपर कचरा बिखेर कर भंगिन के भेष में उसे शाही पहरे से बाहर पहुँचा दिया और बच्चे को मुकनदास खींची के सुपुर्द कर दिया। मुकनदास सपेरे का स्वांग भरे हुए उस डेरे से कुछ दूर बैठा हुआ था। स्वामिभक्त मुकनदास खींची राजकुमार को अपने पिटारे में रखकर पूंगी बजाता हुआ मारवाड़ की तरफ चल पड़ा। इस घटना के दूसरे ही रोज बादशाह को सन्देह हुआ कि कहीं बालक राजकुमार हाथों से न निकल जाय। इसलिए उसने कोतवाल को आज्ञा दी कि मृत राजा की रानियों को राजकुमार सहित शाही महलों में ले आओ और यदि कोई सामना करे तो उसे सजा दो। इस पर दुर्गादास के नेतृत्व में राठौड़ वीर लड़ने को तैयार हो गये और युद्ध ठन गया। रानियां भी युद्ध में जूझकर काम आयी। युद्ध के पश्चात् गोरां धाय द्वारा छोड़े गये बच्चे को पकड़ा गया जिसे राजकुमार बतलाया गया तथा उसे शाही दरबार में ले जाया गया। उसे जोधपुर के डेरे में गिरफ्तार हुई दासियों को दिखाकर उसने अपनी तसल्ली कर ली ।

फौलाद खां ने बतलाया कि राजकुमार दलथंभन की मृत्यु कुछ समय पूर्व ही हो गयी थी। बादशाह ने इस कल्पित उत्तराधिकारी को मुहम्मदीराज का खिताब देकर शाहजादी जेबुन्निसा की देखभाल में रख दिया बाद में इसे ऊंचा मनसब भी दिया गया लेकिन 10 वर्ष की आयु में यह औरंगजेब की सेना में रहकर बीजापुर (दक्खन) में सन् 1688 में ताऊन की महामारी का शिकार हो गया तथा उसे मुसलमान के रूप में दफना दिया गया। स्पष्ट है कि बादशाह ने तथाकथित महाराजा अजीतसिंह को मुसलमान बना लिया तथा उसे सन् 1688 तक मुस्लिम ही समझता रहा । असली राजकुमार अजीतसिंह का विवाह उदयपुर के महाराणा ने अपने भाई गजसिंह की कन्या से संवत् 1753 (सन् 1696 ई.) में कर दिया किन्तु बादशाह का इस विषय में सन्देह दूर नहीं हुआ। गोरां धाय का यह अपूर्व त्याग मारवाड़ के इतिहास में अमर पद पा गया और इसीलिए उनका नाम जोधपुर राज्य के राष्ट्रीय गीत ''धूंसा'' में गाया जाता है।

वीरांगना गोरां धाय दृढ़ निश्चय वाली चरित्रवान, राष्ट्रभक्त, स्वाभिमानी, पतिव्रता, अविस्मरणीय त्याग, उज्ज्वल चरित्र, आदर्श जीवन, श्रद्धा भक्ति, तप त्याग और स्वामीभक्त थी । स्वामीभक्त गोरां धाय के इस असीम अविस्मरणीय त्यागमय तपोबल ने मारवाड़ की डूबती गौरवनय्या को बचाया, मुगल सल्तनत के चुंगल से मारवाड़ के स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रात: स्मरणीय गोरां धाय ने अपने एक मात्र पुत्र को न्यौछावर कर दिया।

मुकुन जयदेव गोरां जसधारी धिन दुरगो राखियो अजमाल म

इस स्वामिभक्ति के कारण ही राज्य की ओर से प्रकाशित (राष्ट्रीय गीत) पुस्तिका में भी गोरां धाय के नाम का उल्लेख श्रद्धा के साथ किया गया है।

गोरां धाय की बनवायी बावड़ी (बापी) जोधपुर शहर में पोकरण की हवेली से सटी हुयी है, जो अब अपभ्रंश रूप में 'गोरांधा' (गोरां धाय) बावड़ी कहलाती है। जोधपुर में इसी की कलात्मक बड़ी छत्री (देवलऋ) दर्पण सिनेमा के सामने कचहरी रोड पर स्थित है। छत्री पर एक शिलालेख लगा हुआ है, जिसमें घोड़े पर सवार एक मूर्ति है और एक स्त्री पास खड़ी है। घुड़सवार पुरुष के हाथ में भाला है। लेख इस प्रकार है—

(1) **'संवत् 1761 शाके 1626 रा जैठ वद 13 शनिवार**

(2) **घड़ी 13 धा (मां) मनोहर गोपी भलावत गहलोत**

(3) **रो देवगत सरगा हुओ नै लारै सत कियौ ।**

(4) **धा गौरां बाई टाकर...**

(5) **बेटी ऊपर देवल मिति दु भादौ**

(6) **वद 4 'संवत् 1768 मंगलवार'**

औरंगजेब के मारवाड़ को मुगल साम्राज्य में आत्मसात करने के दु:स्वप्न को भंग करने में सहयोग देने वाली गोरां धाय 48 वर्ष की आयु में सैनिक क्षत्रिय जाति की पुरातन श्मशान भूमि खांडिया कोट जगतसागर की बारी के पास संवत् 1761 शाके 1626 रा जेठ वद 13 शनिवार को अपने पति के शव के साथ सती हो गयी। गोरां धाय के परिवार ने बेटी ऊपर छतर मिती दु भादो वद 4 संवत् 1768 मंगलवार को बनाया गया जो आज भी त्यागमय वीरांगना की याद दिलाता है।

'रूपा धाय गोरां धाय बावड़ी कराई गेलोतो री वडेरी ही टीकम मोदी बावड़ी कराई।" (सिंघवी कानमल री ख्यात मूल बही-45 अ, पृष्ठ 175, क्र. सं. 15, नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ, मंदसौर) मध्य प्रदेश इस सेवा के बदले में उसे राज्य से भूमि दी गयी जिसकी सनदें व खास रुक्के सं. 1741 द्वितीय सावण वदि 9 (25 जुलाई, 1684 शुक्रवार) सं. 1754 सावन सुदी 10 (18 जुलाई 1697 रविवार) सं. 1759 आषाढ़ सुदि 3 (17 जून, 1702 बुधवार)। मारवाड़ राज्य का इतिहास, जगदीशसिंह गहलोत, पृ. 242 आश्चर्य है कि बड़े-बड़े इतिहास-लेखक भी अपने ग्रन्थों में किसी देश के महापुरुषों अथवा वीरों के चरित्र लिखते समय गोरां धाय जैसी स्वामी भक्त वीरांगनाओं का बिल्कुल उल्लेख ही नहीं करते हैं। यह वैसी ही बात है जैसे किसी महायुद्ध की घटनाओं का वर्णन करते समय प्रसिद्ध सेनानायकों का उल्लेख ही न किया जाए। राजपूताने के गौरवान्वित इतिहास में ठीक यही दशा गोरां धाय की हुई ।

मारवाड़ के राजवंश के लिए अपने पूत्र का महा बलिदानी करने वाली

महान त्यागी जसधारी गोरां धाय की 376वीं जंयति धूमधाम से मनाई

जोधपुर। कचहरी रोड़, अंसल प्लाजा के सामने स्थित जसधारी गोरांधाय टाक की छतरी पर बलिदानी गोरांधाय टाक की 376 वीं जयंती के अवसर पर राजेन्द्र गहलोत, सांसद राज्य सभा ने कहा कि जिस तरह बलिदानी गोरांधाय टाक ने राष्ट्र रक्षा को सर्वोपरि मानते हुए अपने एक मात्र नवजात पुत्र का बलिदान कर राष्ट्र की रक्षा की उसी प्रकार हमें ऐतिहासिक महापुरूषों के कृतित्व और व्यक्तित्व से प्रेरणा ग्रहण कर सुदृढ राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभानी चाहिए।

इस अवसर पर घनश्याम ओझा, पूर्व महापौर, नगर निगम जोधपुर ने कहा कि गोरांधाय टाक का त्याग छत्तीस कौम के लिए एक अदर्श था। गोरा, सीमा के सिपाही की भांति अडिग, दीये की लौ आंधी। तूफानों से डटकर जूझने का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसा आदर्श जीवन प्रेरणास्पद है। इस अवसर पर सुनील परिहार, डाइरेक्टर रिको ने कहा कि गोरां ने ममता की चरम साकार जीवन्त आत्मिक कृति अपने कलेजे के टुकड़े का परित्याग कर क्षत्रिय धर्म, राष्ट्र धर्म ही नहीं मरूधर जननी का धर्म निभाया। इस अवसर पर नरेश जोशी, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस दक्षिण, जोधपुर ने कहा कि गोरां ने बड़े लगन, निष्ठा, नि:स्वार्थ भाव से अपने पारिवारिक सुखों को तिलांजलि देकर अपनी जन्मभूमि की लाज रखी। हमें गोरां के त्याग को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। वरिष्ठ समाज सेवी सीए नरेंद्र सिंह कच्छवाहा ने गोरांधाय के बलिदानी इतिहास पर प्रकाश डाला, कहा कि आत्म विश्वास से भरपूर विपरीत परिस्थित में भी बाल महाराज अजीतसिंह को ही नहीं मारवाड़ की डूबती नैय्या को भी बचाया। आज भी गोरां को बलिदानी शिरोमणि शासक रक्षिका के रूप में याद किया जाता है।

प्रेम सिंह परिहार, अध्यक्ष, माली संस्थान ने कहा कि मारवाड़ की वीर नारी गोरांधाय का त्यागमय जीवन भी ऐसे अनूठे दीपक की दीप शिक्षा था, युग बीत जाने के बाद जिसकी प्रकाश रश्मियां सत्य, न्याय, नीति और मानवीय आदर्शों के लिए जीने-मरने का सन्देश दे रही है। इस अवसर पर देवेंद्र सालेचा, प्रेम सिंह कच्छवाहा, विजय शर्मा, सचिव, सोजती गेट व्यापारी संस्थान, प्रेमचन्द सांखला, मुकेश दवे, पार्षद दानिश फोजदार, मनीष गहलोत, सुभाष गहलोत, पार्षद डॉ रविन्द्र, पार्षद भैरू सिंह परिहार, रणवीर सिंह टाक, इकबाल खान, डॉ विकास टाक, जेठू सिंह परिहार, विजेन्द्र सिंह कच्छवाहा, धीरेन्द्र सिंह गहलोत, अरविंद परिहार, बबलू सोलंकी, दुर्गा सिंह गहलोत, नारायण सिंह गहलोत, बलबीर भाटी और गणमान्य प्रबुद्धजनों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर गोरांधाय टाक को श्रद्धांजलि दी गई।

इसके अलावा नागौर, बालोतरा, देसूरी, सादड़ी के साथ ही देश के विभिन्न भागों में सामाजिक संस्थाओं द्वारा गोरां धाय मां की 376वीं जंयति पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के आयोजन में उनके महान त्याग के बारे में समाज के सभी वर्गों को जानकारी दी गई।

संयोजक आनंद सिंह परिहार ने आयोजन में भाग लेने वाले सभी वर्गों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर गोरां धाय की छतरी पर विशेष साज सज्जा की गई एवं पूजा अर्चना के साथ ही जोत की गई।

उन लोगों से दूरी बनाए रखें जो कभी स्वीकार नहीं करते कि वे गलत है और हमेशा आपको यह महसूस कराने की कोशिश करते है कि यह सब आपकी गलती है।

कैलाश मेमोरियल सेवा संस्थान की अनोखी मुहिम झुठा न छोड़े में महिला मण्डल का गठन

बालोतरा। कैलाश मेमोरियल सेवा संस्थान बालोतरा की त्रैमासिक बैठक का आयोजन रविवार रात्रि माली समाज भवन गांधीपुरा बालोतरा में अध्यक्ष गजेंद्र पंवार की अध्यक्षता मेंआयोजित की गई जिसमें समिति द्वारा संस्था में नए पांच सदस्य बनाए ओर सदस्य जोड़ने पर विचार किया गया एवं नए बनाए गए सदस्यों को संस्था के सचिव महोदय दिलीप पवार द्वारा भोजन को झूठा ना छोड़ने की शपथ दिलाई गई। समाज भवन के प्रांगण में अति आवश्यक प्रस्ताव अन्न के सम्मान में जो एक जागरूकता का मैसेज समाज में जो दिया जा रहा है इस पर सभी ने जोर शोर से प्रचार प्रसार के लिए प्रेरित करने के लिए निर्णय लिया गया है एवं साथ ही संस्था के आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं कैलाश मेमोरियल सेवा संस्थान द्वारा महिलाओं को अन्न के सम्मान में जागरूक करने के लिए एक महिला मंडल की टीम गठन करने का विचार विमर्श किया गया एवं अध्यक्ष पद के लिए महिलाओं के आवेदन भरवाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी एवं आगामी कार्यक्रम में महिला मंडल द्वारा क्लीन थाली विथ सेल्फी अभियान में ज्यादा से ज्यादा अन्न सम्मान करने के लिए मातृशक्ति एवं युवा बालिकाओं द्वारा धरातल पर आयोजित करना एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भोजन को बर्बाद ना करें वेस्टीज ना करें इस बारे में महिला मंडल की एक टीम का गठन करने की योजना बनाई एवं 7 दिन में इससे महिला मंडल टीम का गठन करना बताया गया एवं संस्था का नाम माली समाज महिला मंडल के नाम से एक नई संस्था बनाने का निर्णय लिया गया एवं संस्थान के महामंत्री महेश परमार द्वारा सभी कार्यकर्ताओं की आईडी कार्ड एवं ड्रेस कोड के बनाने के लिए प्रस्ताव रखा एवं संस्था के संरक्षक महोदय पंकज परिहार द्वारा महिलाओं को भी ड्रेस कोड एवं आईडी कार्ड नि:शुल्क देने की बात रखी गई।

उक्त मीटिंग में प्रवक्ता दिलीप सुंदेशा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया बैठक में पंकज परिहार रमेश कछवाह महेश परमार मुकेश पंवार कांतिलाल गहलोत गणपत गहलोत दिनेश गहलोत दिलीप पवार संतोष सुंदेशा नवरत्न पवार सुरेश गहलोत आदि सदस्य उपस्थित रहे

सैनी समाज बच्चों को शिक्षित बनाएं - जसवंत सैनी, मंत्री उ.प्रदेश

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सैनी सभा ट्रस्ट की ओर से सैनी समाज के नेताओं का सम्मान समारोह दिल्ली रोड पर किया गया। इसमें मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के संसदीय एवं औद्योगिक विकास मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने समाज के लोगों को शिक्षित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा शिक्षित बनें, नशाखोरी से दूर रहें। राजनीति में हिस्सेदारी बढ़ाएं। उन्होंने समाजको एकजुट रहने का भी आह्वान किया। नौकरी, व्यवसाय में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। राज्यसभा सांसद एवं महिला मोर्चा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य ने महिलाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। होटल राही में सबसे पहले दीप जला कर अतिथियों में महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीपी सिंह सैनी और संचालन मोहन लाल सैनी और किशन सिंह सैनी ने किया। एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी ने कहा कि अपने हक की बात सही प्लेटफार्म पर रखें। राजनीति में जरूर आएं। विशिष्ट अतिथि नगर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि मेरी जीत में सैनी समाज का अहम योगदान रहा है। इसे मैं भुला नहीं सकता। महापौर विनोद अग्रवाल ने शूरसेन सैनी चौक के निर्माण का वादा किया। पूर्व विधायक कमलेश रामपुर के अध्यक्ष देवेंद्र सैनी, अमरोहा के धर्मवीर सैनी समेत मंडल भर से सैनी समाज के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन भी मनाया गया। उन्हें सैनी समाज की ओर से शुभकामनाएं दी गई। सैनी सभा ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष रवि सैनी ने आभार जताया। जनप्रतिनिधियों को शॉल ओढ़ा कर स्मृति चिन्हित देकर सम्मानित किया गया। परमेश्वर लाल सैनी, गिरीश वर्मा, सुरेश सैनी, भाजपा अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा मनमोहन सैनी आदि रहे।

मानसरोवर गेट का नाम सावित्रीबाई फुले होगा:

आयोजकों ने मान सरोवर गेट का नाम सावित्री बाई फुले रखने की मांग की। इस पर नगर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा जल्द मानसरोवर गेट पर सावित्री बाई फुले द्वार बनेगा। समारोह में किशन सिंह सैनी, दिनेश सैनी, विनोद सैनी, करन सिंह, ओमवीर सैनी, जगत सिंह सैनी, सतपाल सैनी, पवन सैनी, आरसी सैनी, राजीव सैनी, रानी सैनी, माया सैनी, दीपक सैनी, प्रेम शंकर सैनी, अशोक सैनी, रमेश सैनी, सावित्री सैनी, डा. एसके सैनी, ओपी सैनी, राजेंद्र सैनी, धर्मेश सैनी, सुनीता सैनी, कन्हैया नाला, सोनू शाक्य, पलवीर सैनी, सिंह सैनी, देशराज सैनी समेत सैनी समाज के लोग मौजूद रहे।

माताजी के निधन पर मृत्युभोज का बहिष्कार कर गौशाला में रु 4लाख, 11 हजार का अनुदान

जोधपुर। श्री भद्रेश्वर धाम गौशाला एवम पर्यावरण विकास सेवा समिति चौखा के अध्यक्ष सन्तोक गहलोत की माताजी स्वर्गीय प्रेमी देवी के बाहरवें के उठावने पर पहल करते हुए मृत्युभोज का बहिष्कार कर स्वर्गीय श्री प्रेमी देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय जसराज जी गहलोत के सपुत्र स्वर्गीय त्रिलोकचंद, सन्तोकसिंह गहलोत एवम पौत्र श्यामसिंह, अर्जुनसिंह, धर्मेंद्र (पिन्टूसा), मनोज आदि परिवारजनों ने श्री भद्रेश्वर धाम गौशाला के सचिव शंकरलाल जी परिहार को चार लाख ग्यारह हजार का चौक सौंपा। समाज सेवी सन्तोक सिंह गहलोत अनेकों धार्मिक संस्थाओं से जुड़े है और समय समय पर सामाजिक आयोजनों में तन मन धन से सहयोग करते है और अपने सहृदयता मिलनसारी व्यवहार के लिए जाने जाते है।

इस मौके पर गौशाला के उपाध्यक्ष जयकिशन जी भाटी, कोषाध्यक्ष गंगाराम जी गहलोत, प्रेमकिशन सोलंकी आदि गौशाला के पदाधिकारी एवम समाजसेवी उपस्थित थे।गौशाला के समस्त पदाधिकारियों ने इस पावन सेवा के लिए गहलोत का आभार व्यक्त किया। हम सभी गहलोत परिवार के इस अनुकरणीय सेवा कार्य पर हार्दिक आभार प्रकट करते है। परमपिता परमेश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान कर परिजनों को असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बागवानी एवं कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजेश सैनी को मिला ब्रॉड ऑफ द ईयर अवार्ड

नवलगढ़। बागवानी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजेश सैनी कृषि वैज्ञानिक एवं इंटरनेशनल ट्रेनर को ग्रीन इंडिया परिवार रिसर्च फाउंडेशन एवं निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन की तरफ से ब्रांड ऑफ द ईयर अवार्ड एवं बेस्ट अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। सैनी पिछले 25 वर्षों से कृषि क्षेत्र में किसानों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सैनी पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय विश्व संत कबीर अवार्ड , अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा पुरस्कार, बलीराजा कृषि अवार्ड , राष्ट्रीय कृषि गौरव पुरस्कार, किसान वैज्ञानिक पुरस्कार, आई ए डी सी 2020, धरतीपुत्र सम्मान पुरस्कार एवं शेखावाटी गौरव पुरस्कार से सम्मानित हैं । सैनी देश विदेश नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, नेपाल, अफगानिस्तान इत्यादि देशों की यात्रा कर चुके हैं। सैनी लंबे अरसे से कृषि, हाईटेक खेती बागवानी वृक्षारोपण, पर्यावरण, पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। सैनी पर्यावरण एवं कृषि संबंधित पत्र पत्रिकाएं, समाचार पत्रों आकाशवाणी, सामुदायिक रेडियो, दूरदर्शन एवं सोशल मीडिया से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। सैनी शेखावाटी क्षेत्र के नवलगढ़ कस्बे के रहने वाले हैं स किसान वर्ग में काफी लोकप्रिय हैं स राज्य में हाईटेक खेती के प्रचार प्रसार के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हम राजेश सैनी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं प्रेषित करते है।

डॉ. अश्विनी आर्य सावित्री बाई ज्योति बा फुले शोध पीठ के निदेशक नियुक्त

जोधपुर। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के डॉ. अश्विनी आर्य को नवस्थापित सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले शोध पीठ का निदेशक नियुक्त किया गया। ज्ञातव्य है कि क्रांति पुंज सावित्री बाई फुले को समर्पित संपूर्ण राजस्थान में यह पहला शोध पीठ है। हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने अशोक गहलोत ने आदेश निकाल इस शोध पीठ के स्थापना की घोषणा की थी।

डॉ. आर्य ने बताया कि राष्ट्र की प्रथम महिला शिक्षिका एवं आधुनिक युग में स्त्री शिक्षा की सूत्रधारिणी को समर्पित यह संस्थान निश्चित ही शिक्षा के प्रति समाज के सभी वर्गों के लिए एक नव चेतना उत्पन्न करने में सहायक होगा। सामाजिक न्याय, समाज सेवा आदि के विभिन्न आयामों पर पीठ में शोध कराया जाएगा एवं इन विषयों पर विभिन्न पाठ्यक्रम भी शुरू किए जांगे जिससे सावित्री बाई फुले के विचारों एवं उनके कार्यों से प्रेरित होकर विद्यार्थियों एवं शिक्षिकों का निर्माण किया जा सके जो भारतीय संवैधानिक मूल्यों तथा स्वतंत्रता, समानता, भ्रातृत्व, एकता और अखंडता को बढ़ावा देकर क समाजवादी, धर्म निरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक समाज के निर्माण में योगदान दे सकें।

हम सभी समाज के युवा डॉ. अश्विनी आर्य का इस शोध पीठ में निदेशक बननें पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार प्रकट करते है।

जोधपुर के युवा डॉ. अशोक गहलोत ने दिया सम्राट पृथ्वीराज फिल्म में 523 तरह की पाग - पगड़ियों को आकार

बॉलीवुड के कलाकार भी बनें गहलोत के प्रशंसक

जोधपुरी साफा व्यवसाय को मिलेगा नया जीवन

जोधपुर मशहूर है जोधपुरी साफो के लिए लेकिन अब साफो के साथ पाग पगडीयों मे भी जोधपुर के डां अशोक गहलोत पुरे विश्व मे सूर्यनगरी का नाम रोशन कर रहे है साधारण किसान परिवार से गहलोत ने राजस्थानी विषय मे पीएचडी की उपाधि जयनारायण व्यास विश्व विद्यालय से की है । आपको 5 वर्षो का विश्वविद्यालय मे अध्यापन का भी अनुभव है। आपको शुरू से ही राजस्थानी संस्कृति से लगाव था इसीलिए आपने राजस्थान की लुप्त होती डंडियाँ गैर लोक नर्तय को संरक्षित करने का बीड़ा उठाया और अपने क्षेत्र के बच्चों को इस लोक कला का प्रशिक्षण देना ज्ञुरू किया तथा गैरिया दल मंडोर के नाम से संस्था की शुरूआत की इस संस्था ने कई बच्चों को इस कला से जुड़ाव बनाये रखा व देश के कई शहरों मे कला का प्रदर्शन कर जोधपुर का नाम रोशन किया ।

आपने सामाजिक सांस्कृतिक उत्थान के लिए सामाजिक जागृति संस्थान जोधपुर की नींव रखी जिसमें क्षेत्र के युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया व प्रथम बार मंडोर मे रक्तदान, प्रथम बार 150 बालिकाओं को आत्मरक्षा का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया गया।

आप सांस्कृतिक संरक्षण और इतिहास शोध हेतु सैनिक क्षत्रिय माली सांस्कृतिक संरक्षण एंव इतिहास शोध संस्थान के सचिव पद पर रह चुके है। राजस्थानी परिवेश एंव संस्कृति से गहरा लगाव होने के कारण आप राजस्थानी रंगमंच से भी जुड़े है आपने प्रो. अर्जुन देव चारण के निर्देशन में 12 वर्षो तक भारत के कई शहरों मे अभिनय किया । आप राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए भी कई वर्षो से संघर्षरत है आप राजस्थानी छात्र मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है और वर्तमान मे प्रदेश संरक्षक है।

आपको 2022 का मायड़ भासा सेवा सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है । आपने अपने दादाजी श्री संतोक सिंह जी को साफा बांधते देख प्रथम बार उन्हीं से साफा सीखा राजस्थानी परिवेश से लगाव के कारण आपने पाग पगड़ीयों पर अध्ययन करना प्रारंभ किया। धीरे धीरे लगन और रूचि के कारण आपने लगभग 1,400 प्रकार की पगड़ियों मे महारथ हासिल कर ली। आप पर ईश्वर की कृपा है कि आप फोटो देखकर हुबहू पगडी तैयार कर देते है आपकी पाग पगड़ियाँ राजस्थान के कई म्यूजियमों मे देखी जा सकती है । आप राजस्थान के साथ गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, यूपी, बिहार, जम्मू कश्मीर व दक्षिण भारत की पगड़ियों मे भी पारंगत है । आप प्रतिवर्ष हर एक राज्य की पगडीयों को सीखने का प्रयास करते है ।

आप द्वारा बनाये राजस्थानी साफा और पाग पगड़ियां भारत भर के कई शहरों की शाही शादियों मे मेहमानों के माथे की शोभा बनी है। आप द्वारा बनाई पगडियां भारत के अलावा इंग्लैंड, अमेरिका, दुबई, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, अमेरिका, केन्या, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया इत्यादि कई देशों मे माथे की शोभा बनी है । डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित व अक्षयकुमार अभिनित बॉलीवुड फिल्म पृथ्वीराज में आपने 523 प्रकार की पाग पगड़ियाँ बनाकर लगभग एक विश्व कीर्तिमान बनाया है जो की जोधपुर के लिए गौरव की बात है। आज आप से साफा बाँधना सीखकर 18 युवा साफे का व्यवसाय कर रहे है व प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से 150 से ज्यादा परिवार रोजगार प्राप्त कर रहे है। आप द्वारा किये 43 प्रकार के साफे ओर पाग पगड़ियो मे नये अविष्कार आज बाजार मे हर साफे की दुकान पर देखे जा सकते है आप वर्तमान में संरक्षक मायड भाषा राजस्थानी छात्र मोर्चा राजस्थान, अध्यक्ष सामाजिक जागृति संस्थान मंडोर, संस्थापक गैरिया दल मंडोर, संस्थापक पाग पगड़ी पाईंट व पाग पगड़ी आर्ट हाऊस मंडोर, पूर्व सचिव व वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य सैनिक क्षत्रिय माली सांस्कृतिक संवर्धन एंव इतिहास शोध संस्थान जोधपुर , सचिव आजाद क्लब बड़ा बेरा मंडोर।

आपकी शिक्षा : जयनारायण व्यास विश्वविघालय जोधपु बी.ए. एम. ए. व राजस्थानी कहावतां मे निरूपित समाज अर संस्कृति 'विषय मे RAJASTHANI PHD महर्षि दयानंद विश्वविघालय अजमेर से BED, JNVU से Adult & Continuing Education मे डिप्लोमा , जिला उद्योग केंद्र बीकानेर से ब्लू पोटरी मे डिप्लोमा प्राप्त किया है। माली सैनी संदेश परिवार युवा अशोक को हार्दिक बधाई एवं ज्ञुभकामनाएं प्रेति करता है हमें आप पर गर्व है।

एक शाम माता के नाम के कार्यक्रम ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने माता के दरबार में भेजी चुन्नी एवं अपनी शुभकामनाएँ दी

ग्रीन माइण्डेड फाउण्डेशन राजस्थान के शहीद होने वाले सैनिक के परिवार को देगा 51,000 रूपये की सहायता

जोधपुर। बावड़ी बेरा मगरा पूंजला भव्य मन्दिर प्रतिष्ठा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उनके सुपुत्र वैभव गहलोत दुरभाष पर शुभकामनाए दी एवं इस कार्यक्रम में कई नेता, राजनेता व पुलिस अधिकारियों ने शिरकत की।

इस माता के कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आगामी जोधपुर आगमन पर माता के मंदिर में पधारने की को कहा तथा एक शाम माता के नाम के इस कार्यक्रम में ग्रीन माइण्डेड फाउण्डेशन के अध्यक्ष नरेन्द्र गहलोत ने बताया कि सुबह लगभग 1,000 महिलाओं की कलश यात्रा हुई, उसके बाद मन्दिर में आठ मूर्तियों की स्थापना हुई एवं उसके साथ 151 जोड़ो का महायज्ञ हुआ एवं 10 हजार लोगो की प्रसादी का आयोजन किया गया। इस महाप्रसादी में कई सारे गणमान्य लोग शामिल हुए, जिसमें राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी (अध्यक्ष-राजस्थान पशु धन बोर्ड विभाग), कुन्ती देवड़ा (महापौर उत्तर), संगीता बेनिवाल (महिला प्रदेशाध्यक्ष), राजेन्द्र प्रसाद दिवाकर (ए.सी.पी. मण्डोर), थानाधिकारी निशा भटनागर।

रात्रि जागण में अपनी प्रस्तुति देने आये कई नामी कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें राजस्थान में मशहूर गायक गजेन्द्र राव, ओमसिंह सोढ़ा, मोहनलाल प्रजापति आदि लगभग 51 नामी कलाकारों ने अपनी गायकी से सबका मनमोह लिया, जिसके साथ ही ग्रीन माइण्डेड फाउण्डेशन के अध्यक्ष नरेन्द्र गहलोत ने भी कई सारी घोषणायें की, जिसमें उन्होंने बताया कि हमारी संस्था ग्रीन माइण्डेड फाउण्डेशन द्वारा जोधपुर में आगामी 5 सालों में लगभग 3 लाख गमले व पक्के पेड़ लगाय जायेगें।

इसके साथ ही राजस्थान में कोई भी वीर अगर शहीद होता है, हमारी संस्था ग्रीन माइण्डेड फाउण्डेशन की तरफ से उसके परिवार को 51,000/- रूपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी एवं पधारे हुए सभी करीब दस हजार भक्तगण एवं गणमान्य लोगो ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई एवं सभी आये हुए मेहमानों का नरेन्द्र गहलोत ने साफा, दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया तथा माता से सबके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कड़े संघर्ष के बाद कदम चूमती गई सफलता, अब बने सरकारी बाबू

गोल्ड मेडलिस्ट शिवराज को मिली सरकारी नौकरी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेष आदेश

दर्जनों मेडल जीत चुके दिव्यांग शिवराज सांखला के निशानेबाजी की एकेडेमी भी खोल युवाओं को दी ट्रेनिंग

मेड़ता सिटी। निशानेबाजी सीखने से लेकर अपने मुकामों को पूरा करने के लिए दिव्यांग शिवराज सांखला की ओर से सालों तक किया गया संघर्ष अब रंग लाया।

अपने निशानों से गोल्ड, सिल्वर मेडल जीतकर निर्णायकों को चौकाने वाले मेड़ता के दिव्यांग शिवराज अब सरकारी बाबू बने गए हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें सीधे शासन सचिवालय में लिपिक ग्रेड द्वितीय के पद पर सरकारी नौकरी दी है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए गहलोत सरकार ने यह कदम उठाया है। अभी विगत 8 मई को ही अशोक गहलोत ने अपने भाषण में खेल प्रतिभाओं को जॉब देने की बात कही थी और इस भाषण के 15-20 दिन बाद ही शिवराज सांखला के पास ज्वाइनिंग लेटर भी आ गया। निशानेबाज सांखला को शासन सचिवालय में जॉब मिली है। 65 खिलाड़ियों मे से दो को शासन सचिवालय में लगाया गया है जिनमें सांखला लिपिक ग्रेड द्वितीय के रूप में काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान क्रीडा पदक विजेताओं को बिना पारी नियुक्ति नियम 2017 (संशोधित नियम 2020) के नियम 3(8) में गठित समिति की अभिशंषाओं के आधार पर द राजस्थान सेक्रेटेट मिनिस्ट्रियल सर्विस रूल्स, 1970 के

अंतर्गत वर्ष 2022-23 की रिक्तियों के विरुद्ध लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पद पर कार्मिक विभा की अधिसूचना नियुक्ति दी गई है।

बेटे का सपना पूरा करने का मां और भाईयों ने नहीं छोड़ी कोई कसर : आज जिस मुकाम पर दिव्यांग शिवराज पहुंचा है वे कहानी वास्तव में मोटिवेट करने वाली है। बचपन में पिता का साया उठने के बाद मां ने घरों में काम करके तीन भाइयों को पाला। भाईयों ने खुद पढ़ाई छोड़ दी और मजदूरी करके दिव्यांग शिवराज को आगे बढ़ाने का हौसला दिया और पढ़ाया। परिजनों ने कर्ज लेकर पिस्टल दिलाई ताकि शिवराज शूटर बनकर अपना सपना पूरा करि सकें। अब दिव्यांग की पिस्टल से निकला हर निशाना गोल्ड या सिल्वर पर लग रहा है।

6 साल पहले सोने पर लगाया था निशाना : मेड़ता के दिव्यांग निशानेबाज शिवराज सांखला ने साल 2016 में पैरा शूटिंग राष्ट्रीय स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में तीन दर्जन से ज्यादा मेडल जीत चुके हैं। इतना ही नहीं वे खुद निशानेबाज है और मेड़ता में एकेडमी खोलकर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को भी निशानेबाजी के गुर सीखा रहे हैं। उनकी ओर से ट्रेनिंग लेने वाले कई युवा भी नेशनल और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत चुके हैं।

पिता की मृत्यु पर मृत्युभोज के स्थान पर विद्यार्थियों हेतु 1लाख रुपए की पुस्तकें भेंट

भंवरलाल तंवर के पगड़ी दस्तूर में उनके पुत्रों ने अनुठी मिसाल पेश

मालपुरा। पिता की मृत्यु के बाद पगड़ी रस्म के दौरान तीन शिक्षक पुत्रों ने समाज की धर्मशाला में एक लाख रूपऐ की 501 ऐसी पुस्तकें भेंट क ज पतियोगी परिक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। अखिल माली (सैनी) समाज धर्मशाला समिति डिग्गी के अध्यक्ष कालूराम माली ने बताया कि भंवरलाल तंवर (भोपा) निवास डिग्गी के पगड़ी दस्तूर कार्यक्रम में उनके सुपुत्रों रामधन माली वरिष्ठ अध्यापक, अशोक माली व्याख्याता एवं कृष्ण कुमार सैनी वरिष्ठ अध्यापक ने माली सैनी समाज में अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय भंवर लाल तंवर के सुपुत्रों ने नुक्ता प्रथा(मृत्यु भोज) को कम करके उसके एवज में समाज के विद्यार्थियों की प्रतियोगिता परिक्षाओं की तैयार हेतु 1लाख रूपऐ के मूल्य क प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी की 502 पुस्तकें, पुस्तक रैक,2 एवं

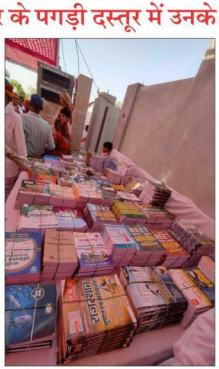

स्टेशनरी सामग्री धर्मशाला समिति को भेंट की। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं समाज के पंच पटेलों ने विद्यार्थियाके के उज्जवल भविष्य हेतु की गई इस अनूठी पहल के लिए रामधन माली एवं तंवर परिवार भोपों की ढाणी डिग्गी का आभार व्यक्त किया। समिति ने निर्णय लिया कि समाज सुधार के लिए ऐसे क्रांतिकारी निर्णयों स समाज में जागरूकता की जाएगी। समाज द्वारा विभिन्न सामाजिक अवसरों पर शिक्षा विकास के लिए समाज के व्यक्तियों को प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर कालूराम जी मुंडया अध्यक्ष, पन्नालाल सैनी कोषाध्यक्ष, हनुमान कोड़ीवाल उपाध्यक्ष, जोरूलाल सैनी समिति संयोजक एवं धर्मशाला समिति के अन्य पदाधिकारी और समाज के गणमान्य पंच पटेल उपस्थित रहे।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा

श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर

श्री झुमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर

हार्दिक बधाई

समाज गौरव विवेक मौर्य का आईएएस परीक्षा में 417वां रैंक आने पर उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं

विवेक प्रथम प्रयास में ही साक्षात्कार तक पहुंचे थे फिर सहायक वैज्ञानिक के पद पर चयन हो गया था तीसरे प्रयास में ही आईएएस बन गए

कैलाश मोरी पीपलू को टोंक माली समाज जिलाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाईयां

मंगनीराम सांखला (कुनजी) को माली समाज शहर न्यात नागौर के अध्यक्ष बनाएं जाने पर हार्दिक बधाई

सरल स्वभाव के धनी, भामाशाह लॉयन **नरपत सिंह सांखला** द्वारा श्री सीताराम गौशाला, **मथानियां में गौ सेवा के लिए 2,00,000 रुपए** सहायता प्रदान की। हम सभी श्री नरपत जी का इस पुनीत सेवा कार्य में सहयोग करने हेतु अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट करते है।

समाज गौरव अवधेश कुमार सैनी का आईपीएस में अंतिम सलेक्शन होने पर हार्दिक शुभकामनाएं !

आईपीएस में सेलेक्ट होकर भरतपुर का ही नहीं अपितु पूरे राजस्थान के साथ समाज का नाम रोशन किया है।

जालांधार के डॉक्टर अभिषेक सैनी ने IAS परीक्षा मे सफलता प्राप्त कर समाज का गौरवान्वित किया है

संपूर्ण समाज की और से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं आपकी माता श्रीमती रीता एवम पिता प्रोफसेर हेम राज सैनी को जिनका स्वपन आज पूरा हुआ है उन्हे भी बधाईयां। अभिषेक जी अभी कस्टम विभाग चंडीगढ ऐअरपोर्ट मे कमिश्नर कस्टम कार्यरत है।

समाज गौरव रवि रंजन कुशवाहा IAS को फिरोजाबाद का जिलाधिकारी DM बनाये जाने पर हार्दिक बधाई

रंजन जी IIT खड़गपुर के छात्र रहे हैं और जिला गया बिहार राज्य के निवासी हैं और 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं

हम सभी के मार्गदर्शक, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी प्रिय **धर्मेंद्र सिंह सांखला** को भारतीय मजदूर संघ की विद्युत इकाई राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छवा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडनूं
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़
श्री कुशाल कच्छवाह, के. के. फिलिंग स्टेशन, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम गहलोत, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

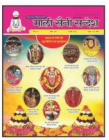

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 600/- | **5 वर्ष रु. 1,500/-** | **आजीवन रु. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेक के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

ढ्ढह्लह्यश्चक्रष्ठह्म्ह्नक्र

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

युवा के रोल मॉडल
नितिन शाक्य
प्रशासनिक अधिकारी

कभी स्कूल वाले एडमिट कार्ड नहीं देते थे डर था स्कूल का रिजल्ट बिगड़ जाएगा, पहले बने डॉक्टर आज है आईएएस

कभी कभी हमारे आसपास कुछ ऐसे लोग होते हैं जो हमें डिमोटिवेट करते रहते हैं। ऐसे में हमें अपने आधार पर अपने लक्ष्यों को तय कर काम करना होता है। आज हम आपको जिस आईएएस अधिकारी नितिन शाक्य के बारे में बताने जा रहे हैं उन्हें भी स्कूल में खराब अंक हासिल करने की वजह से परीक्षा में बैठने तक से मना कर दिया गया था और अध्यापकों ने कहा था कि तुम फेल होकर स्कूल का नाम खराब कर दोगे। परिवार के काफी अनुरोध के बाद उन्हें स्कूल की तरफ से एडमिट कार्ड मिल गया। बस फिर क्या था उनको दिल में ये बात लग गई और उन्होंने पढ़ाई में मेहनत करना शुरू कर दिया। इसका असर ये हुआ कि पहले तो वो डॉक्टर बनें फिर आईएएस अधिकारी बनकर परिवार का नाम रोशन किया। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को प्रेरणा भी दी कि अगर पूरी मेहनत से काम किया जाए तो सफलता जरूर मिल जाती है। आइए जानते हैं आईएएस नितिन शाक्य ने कैसे यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की।

कौन हैं (IAS Nitin Shakya) आईएएस नितिन शाक्य

उत्तर प्रदेश के झांसी के रहने वाले नितिन शाक्य एक मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके परिवार में पढ़ाई को लेकर काफी सजकता बरती जाती थी लेकिन नितिन का पढ़ाई में ज्यादा मन नहीं लगता था। उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई झांसी से ही की। उन्हें हाईस्कूल की परीक्षा में ज्यादा अंक हासिल नहीं हुए। लेकिन इंटरमीडिएट परीक्षा में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि वो पढ़ाई में इतना कमजोर थे कि 12वीं की परीक्षा देने के लिए स्कूल में एडमिट कार्ड लेने गए थे तो स्कूल की तरफ से उन्हें प्रवेश पत्र भी नहीं दिया जा रहा था। स्कूल के अध्यापकों का कहना था कि अगर नितिन को एडमिट कार्ड दिया तो ये फेल होकर स्कूल का नाम खराब कर देगा।

इसके बाद नितिन की मां ने स्कूल के अध्यापकों से निवेदन कर नितिन का प्रवेश पत्र दिलाया। इसके बाद नितिन ने अपनी मां से वादा किया कि वो इस साल अच्छे नंबरों से परीक्षा पास करेंगे। अपनी मां से वादा करने के बाद नितिन ने अपना सारा ध्यान पढ़ाई की तरफ लगाया। उन्होंने स्ट्रेटजी के साथ पढ़ाई की और सफलता हासिल की। इंटरमीडिएट की परीक्षा में उन्होंने सबसे ज्यादा अंक हासिल कर ना सिर्फ स्कूल वालों का मुंह बंद कर दिया बल्कि अपने आत्मविश्वास को भी दोगुना कर दिया। इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान उन्होंने एनसीआरटी की किताबों को अच्छी तरह से पढ़ा। जिसका फायदा उन्हें आगे चलकर मिला। उन्होंने सीपीएमटी की परीक्षा पास कर डॉक्टरी की पढ़ाई शुरू कर दी. मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेकर उन्होंने एमबीबीएस और एनेस्थेसिया में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की. वो बताते हैं कि जब वो कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे तभी उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने का विचार किया। कॉलेज की पढ़ाई के बाद उन्होंने यूपीएससी की तैयारी में फोकस करना शुरू कर दिया।

3 बार असफलता हासिल करने के बाद भी नहीं टूटा हौसला

नितिन ने पूरी मेहनत और लगन के साथ यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की। उनकी स्ट्रैटजी इतनी सटीक थी कि पहले ही प्रयास में उन्होंने प्रीलिम्स और मैन्स की परीक्षा में सफलता हासिल कर ली। इंटरव्यू भी दिया लेकिन मेरिट लिस्ट में 10 अंकों से पीछे रहने के कारण उनका सिलेक्शन नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने फिर से प्रयास किया इस बार उन्होंने प्रीलिम्स परीक्षा तो पास कर ली लेकिन मैन्स की परीक्षा में उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। दूसरी बार यूपीएससी परीक्षा में असफलता के बाद उन्होंने हार नहीं मानी। फिर से तीसरा प्रयास किया। लेकिन इसबार वो प्रीलिम्स की परीक्षा में भी असफल हो गए। इतनी बार असफलता देखने के बाद उन्होंने खुद की पढ़ाई का आत्ममंथन किया। यूपीएससी परीक्षा की स्ट्रेटजी बदली और फिर से चौथी बार प्रयास किया।

चौथे प्रयास में यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर बने अधिकारी

3 बार लगातार असफलता हासिल करने के बाद नितिन ने हार नहीं मानी और यूपीएससी की तैयारी करना नहीं छोड़ा। उनकी मेहनत और लगन का नतीजा ये रहा कि साल 2018 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर ली। यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर उनके बचपन का सपना पूरा हो गया। शुरुआत में उन्हें एसीएम का पद मिला। फिलहाल वो एसडीएम के पद पर कार्यरत हैं। अपनी सफलता को लेकर वो कहते हैं कि इस परीक्षा में कड़ी मेहनत और अच्छी रणनीति की जरूरत पड़ती है। पॉजिटिव एटिट्यूड और सेल्फ कॉन्फिडेंस की बदौलत इस परीक्षा में सफलता मिल सकती है।

हमें गर्व है युवा डॉ नितिन पर जिन्होंने कभी हार न मान प्रशासनिक अधिकारी बन समाज को गौरवान्वित किया। समाज के युवा इनसे प्रेरणा ले जीवन में कभी हार न माने और मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त करें।

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. कल्पना सैनी

के उत्तराखण्ड प्रदेश से

राज्यसभा सांसद

मनोनीत होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नेपाल के परसा नगर निगम के

डिप्टी मेयर के पद पर

श्रीमती सुषमा कुशवाहा

के जीत दर्ज करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR